कुलपति प्रोफेसर राजकुमार के स्वतंत्रता दिवस भाषण के लिए कुछ बिंदु

- प्रिय साथियों, सम्मानित अतिथियों, पूर्व कुलपति, सीनेट के सदस्य, शिक्षक, गैर शिक्षण कर्मचारी, विद्यार्थियों, पूर्व विद्यार्थियों, मीडिया कर्मियों, आप सभी को सबसे पहले मैं देश के 73 वें स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। मैं आजादी की लड़ाई में अपना सर्वस्व बलिदान करने वाले सभी सेनानियों और देशभक्तों को भी इस अवसर पर याद करते हुए उन्हें सलाम करता हूं। उनके त्याग और बलिदान के कारण ही आज हम आजादी की हवा में सांस ले पा रहे हैं।
- हम सब पंजाब विश्वविद्यालय जैसे एक महान संस्थान का हिस्सा हैं जिसकी विरासत पर हमें गर्व होना चाहिए। शिक्षित भारत-सशक्त भारत के सपने को साकार करने की दिशा में पंजाब विश्वविद्यालय लगातार पूरी शिद्दत के साथ जुटा हुआ है। हमारे विश्वविद्यालय ने देश को कई महान नेता, वैज्ञानिक, उद्योगपति, दार्शनिक, विचारक, न्यायविद् और खिलाड़ी दिए हैं।
- आप जानते ही हैं कि अटल रैंकिंग ऑन इनोवेशन एंड अचीवमेंट-2019 में पंजाब विश्वविद्यालय ने पहले दस स्थानों में जगह बनाने में कामयाबी हासिल की है। पंजाब विश्वविद्यालय के विभिन्न विभाग अपने अपने क्षेत्र में अपनी पहचान बनाते रहे हैं। फार्मेसी विभाग ने NIRF रैंकिंग में सारे देश में दूसरा स्थान प्राप्त

किया है जो हम सबके लिए प्रेरणा और गर्व की बात है। शिखर पर पहुंचने से भी ज्यादा कठिन शायद शिखर पर टिके रहना होता है। अपने विश्वविद्यालय की शान और मान को बनाए रखने के लिए हरेक विद्यार्थी, शिक्षक, कर्मचारी और अधिकारी को योगदान देना होगा। इस परिवार का मुखिया होने के नाते मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि विश्वविद्यालय को नई ऊंचाई तक पहुंचाने में हम कोई कमी नहीं रखेंगे।

- सभी को साथ लेकर चलने के संकल्प और नई सोच व अनुसंधान को बढ़ावा देने की मंशा से पंजाब विश्वविद्यालय ने कई नई पहल की हैं। हम शिक्षाविद्-उद्योग-समाज के बीच तालमेल बढ़ाने और तीनों के आपसी संवाद को मजबूत करने के लिए कदम उठा रहे हैं। विश्वविद्यालय में हो रहे अनुसंधान का लाभ समाज तक पहुंच पाए, इसके लिए हमने एक विशेष गैलरी तैयार करने की योजना बनाई है जिसमें 50 से अधिक इस तरह के deliverable प्रदर्शित किए जाएंगे। इसी तरह हमने सात वर्टिकल को एक छतरी के नीचे लाने की कोशिश की है। इसके अलावा विश्वविद्यालय ने समाज के हित को ध्यान में रखते हुए केंद्र के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के FIST कार्यक्रम के तहत 49.59 करोड़ और SERVE कार्यक्रम के तहत 74.11 करोड़ की परियोजनाओं का खाका तैयार किया है। इसी तरह कैंसर अनुसंधान संस्थान, साइबर सुरक्षा, सौर ऊर्जा मॉडल ग्रीन कैंपस आदि की दिशा में प्रस्ताव बनाकर केंद्र

सरकार को भेजे गए हैं। पीयू परिसर को हरा-भरा बनाने के लिए पिछले दिनों में 25 हजार पौधे लगाए गए हैं। इनमें नीम, बरगद, अर्जुन आदि के पौधे शामिल हैं। परिसर में चंडीगढ़ प्रशासन की मदद से 5 करोड़ रूपए की लागत वाला वायु गुणवत्ता नियंत्रण सिस्टम स्थापित किया गया है। परिसर में साइकलिंग को बढ़ावा देने के लिए 250 से ज्यादा साइकिलों का मुफ्त वितरण शुरू किया गया है।

- पंजाब विश्वविद्यालय ने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी मौजूदगी बढ़ाने के लिए कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के साथ एमओयू किए हैं। विद्यार्थियों को भी अन्तर्राष्ट्रीय अनुभव दिलाने के लिए बाहर के कई विश्वविद्यालयों के साथ एक्सचेंज कार्यक्रम शुरू करने की भी योजना है।
- विश्वविद्यालय में दो नई चेयर (आईपीआर चेयर और श्रीमंता शंकर देव चेयर) लाने में भी हमें सफलता मिली है। सैफ प्रयोगशाला का समय बढ़ाकर सुबह 8 बजे से रात 11 बजे तक कर दिया गया है। रिसर्च हमारा मजबूत पक्ष रहा है, हमें उसे और आगे बढ़ाने के साथ साथ समाज के बीच और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी मौजूदगी बढ़ाने के लिए कठिन परिश्रम करना होगा। हमने इस दिशा में काम शुरू कर दिया है और आने वाले समय में उसके सकारात्मक परिणाम मिलने की उम्मीद है।

- हम सब जानते हैं कि सारे विश्व को ज्ञान का प्रकाश देने वाले श्री गुरू नानक देव जी की 550वीं जयंती के साथ साथ यह वर्ष जलियांवाला बाग नरसंहार की शताब्दी का भी है। पंजाब विश्वविद्यालय ने दोनों की अहमियत को समझते हुए साल भर इस संबंध में कार्यक्रम करने का निर्णय किया है ताकि एक ओर जहां श्री गुरूनानक देव जी का संदेश सभी तक विशेषकर नई पीढ़ी तक पहुंचे वहीं जलियांवाला बाग के शहीदों की देशभक्ति की भावना से हम सब सराबोर हो सकें।
- विश्वविद्यालय के सभी वर्गों के कल्याण के लिए भी सतत प्रयास जारी हैं। मैं स्वयं विद्यार्थियो, शिक्षकों और गैर शिक्षण कर्मियो से सीधा संवाद कायम करके उनसे फीडबैक नियमित अंतराल पर लेता हूं ताकि समय पर उनकी समस्याओं का निपटारा किया जा सके। युवा शिक्षकों के लिए पीएचडी इंक्रीमेंट के लंबित मसले को हम सुलझाने में सफल रहे हैं। कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत शिक्षकों की पदोन्नति की प्रक्रिया को सरल और तेज किया गया है और पिछले एक वर्ष में 70 से अधिक शिक्षक कैस के तहत पदोन्नत किए गए हैं। इसी तरह पात्रता शर्ते पूरी करने वाले गैर शिक्षण कर्मियों के लिए डीएडीपी को लागू कर दिया गया है। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए सुविधाओं में बढ़ोतरी हमारी प्राथमिकता है। पुस्तकालय में सुविधाएं बढ़ाई गई है। हास्टल आवंटन को पारदर्शी बनाने के लिए आनलाइन प्रणाली लागू कर दी

गई है। हास्टल में भोजन की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के उपाय किए जा रहे हैं। जरूरतमंद विद्यार्थियों की मदद के लिए Earn while you learn योजना के तहत बजट आवंटन को बढ़ाया गया है और इसके नियम भी सरल किए जा रहे हैं ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थी इसका लाभ प्राप्त कर सकें। **परीक्षा प्रणाली में सुधार के द्वारा हम पहली बार निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार समय पर नतीजे घोषित करने में सफल हुए हैं।**

- विश्वविद्यालय ने अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को ध्यान में रखकर आउटरीच कार्य़क्रमों को नई गति देने के लिए एनएसएस, एनसीसी, स्वच्छ भारत, उन्नत भारत, हेल्थ सेंटर , जनस्वास्थ और डेंटल शाखाओं के बीच समन्वय पर जोर दिया है। इसी कड़ी में मोबाइल डेंटल वैन के साथ डेंटल अस्पताल में सीटी स्कैन सुविधा शुरू कर दी गई है। इसी क्रम में हमने दस से ज्यादा एमओयू पिछले एक वर्ष में किए हैं और लगभग इतने ही पाइपलाइन में हैं।
- पंजाब विश्वविद्य़ालय के पूर्व विद्यार्थी बड़ी संख्य़ा में विदेशों में बसे हुए हैं और विभिन्न क्षेत्रों में अपनी जगह बना चुके हैं। अपने अलूमनी नेटवर्क को मजबूत करने के लिए और अपने अलूमनी को विश्वविद्यालय के विकास में जोड़ने की मंशा से हमने 29 नवंबर 2019 को एक अन्तर्राष्ट्रीय अलूमनी सम्मेलन करने की योजना

बनाई है। इसकी थीम पीयू आनर्स स्कूल के 100 वर्ष रखी गई है। इसी तरह पीयू ग्लोबल समिट करने की योजना बनाई गई है।

- विश्वविद्यालय ने अपनी आय बढ़ाने के लिए भी कई कदम उठाए है। इनमें स्वपोषित कोर्सों में द्वितीय वर्ष में रिक्त सीटों पर दाखिले,कई नए कोर्स शुरू करने, एनआरआई कोटे के नियमों को सरल करना आदि शामिल हैं। खर्चे कम करने के लिए ई-गर्वनेंस को बढ़ावा देने और कागज के प्रयोग को कम करने के लिए भी कदम उठाए गए हैं।
- अंत में एक बार फिर मैं आप सबको स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हुए आज के कार्यक्रम में शामिल सभी बच्चों और सुरक्षा कर्मियों को भी शुभकामनाएं देता हूं। आइए हम सब मिलकर आज के पावन दिन पर विश्वविद्यालय को नई ऊंचाई पर ले जाने का संकल्प करें। मेरे साथ आप सभी तीन बार पूरे जोश से बोलिए-

जय हिंद, जय हिंद, जय हिंद।